



राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन-सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना-800022

प्रेस-विज्ञप्ति

संख्या-69/2024

राजभवन में राजस्थान दिवस का आयोजन किया गया

पटना, 30 मार्च, 2024 :- माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन, बिहार के राजेन्द्र मंडप में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत आयोजित राजस्थान के स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के लोग जहाँ भी रह रहे हैं, वहाँ उन्होंने विशिष्ट पहचान बनाई है तथा औद्योगिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शिक्षा आदि सभी क्षेत्रों में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है। वहाँ के लोग काफी सहृदय और मिलनसार हैं। राजस्थानी व्यंजन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वे तन और मन, दोनों को ही तृप्ति प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग भारत के सभी प्रदेशों में रह रहे हैं और वे वहाँ के सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवेश में पूरी तरह रच-बस गये हैं। बिहार के लोगों की आत्मीयता और प्रेम के कारण ही इस राज्य में वे बिहारी बनकर रह रहे हैं। उन्होंने बिहार की भाषा और संस्कृति को अपनाते हुए इस राज्य के साथ अपनापन के भाव को सँजोया है। बिहार के आर्थिक विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में वे अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जब-जब भारत एक होता है, तब-तब वह श्रेष्ठ होता है। भारत की श्रेष्ठता एकता के कारण है। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा अपने देश के संबंध में प्रतिज्ञा (Pledge) लेने की चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी भारतमाता की संतान हैं और इस कारण हम आपस में भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि भारत के किसी एक राज्य के लोगों को तकलीफ होने अथवा उनपर विपत्ति आने पर दूसरे दूरस्थ राज्यों के लोगों को पीड़ा होती है। उत्तरकाशी सुरंग में फँसे सभी 41 मजदूरों के लिए पूरा देश चिंतित था और उनसे परिचित नहीं होने के बावजूद भी सभी देशवासी उनके सकुशल बाहर निकलने के लिए दुआएँ कर रहे थे तथा उनके बाहर आने पर सब ने खुशी जाहिर की। यह हमारे देशवासियों का एक-दूसरे के प्रति प्रेम और अपनापन की भावना तथा आपसी एकता का प्रतीक है जिसे बनाए रखने की आवश्यकता है।

(2)

उन्होंने कहा कि हमारे देश के विभिन्न राज्यों की भाषा, वेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पान इत्यादि भिन्न हैं किन्तु हम एक हैं। एकता का यह भाव जब प्रबल होता है तब भारत श्रेष्ठ होता है। हमें इस भाव को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। हम चाहे जिस राज्य के भी हों और कहीं भी रहते हों, परन्तु हम भारतीय हैं।

राज्यपाल ने इस अवसर पर भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने राजस्थान के स्थापना दिवस पर वहाँ के लोगों को बधाई और शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर राजस्थान की संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम को उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संदीप पौड्रिक, प्रसिद्ध समाजसेवी पद्मश्री श्री विमल जैन, सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ० उषा डिडवानिया एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंगथू, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, बिहार में पदस्थापित राजस्थान के पदाधिकारीगण एवं उनके परिजन, बिहार में पढ़ाई कर रहे राजस्थान के छात्र-छात्राएँ, बिहार में रह रहे राजस्थान के महानुभावगण तथा राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

.....